सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 66 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 11 अप्रैल, 2026
मूल्य ₹ 3/-

यदि आप अच्छा बना नहीं सकते तो कम से कम ऐसा करिए कि वो अच्छा दिखे।
-बिल गेट्स

खराब शुरुआत से उबरना चाहेगी... 7 | बंगाल व तमिलनाडु में अब वोटर... 3 | लोस की तरह विस में भी हारेगी... 2

यूपी से 2 करोड़ वोटर 'OUT'

एसआईआर की फाइनल लिस्ट जारी

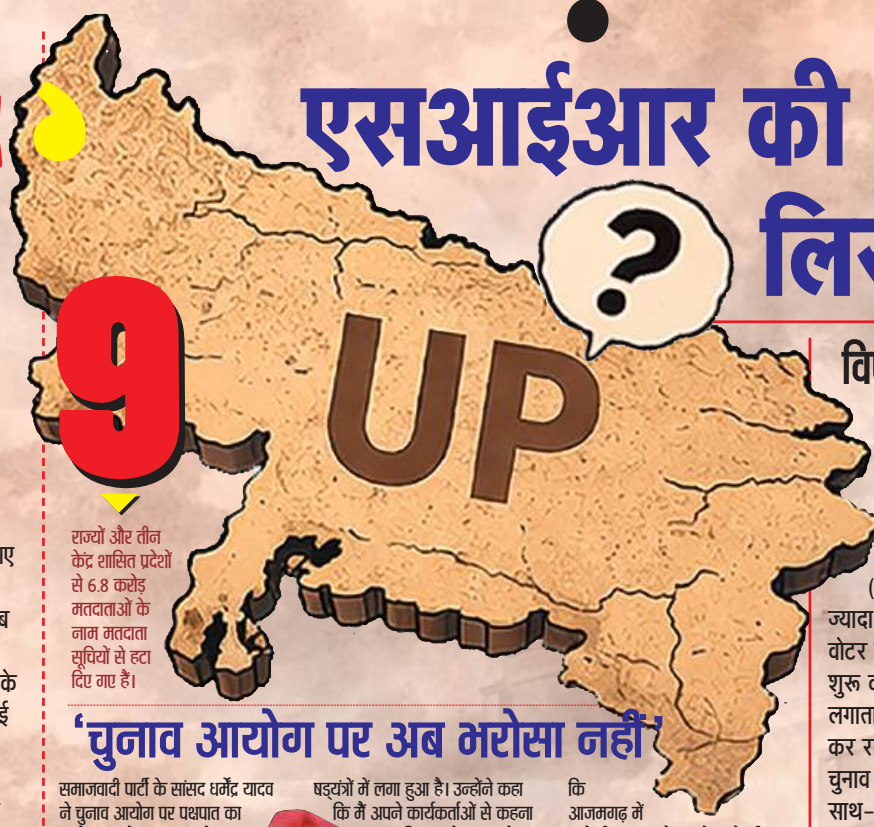

राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों से 6.8 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए गए हैं।

» वोटो की इंजीनियरिंग में नाम कटे करोड़ों, जवाब जीरो, आखिर कौन देगा हिसाब?

» एसआईआर फेस-2 से 6.8 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं।

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। क्या भारत में वोट देना अब किस्मत का खेल बन गया है? लगता कुछ ऐसा ही है विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के फेज-2 का काम पूरा हो चुका है और चुनाव आयोग ने फाइनल सूची जारी करते हुए बताया है कि 9 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों से 6.8 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए गए हैं।

उत्तर प्रदेश से लगभग 2 करोड़ और पश्चिम बंगाल से 91 लाख वोटरों के नाम काट दिए जाने की सूचना है। सूंची जारी होने के बाद राजनीति में महाभूचाल की स्थिति है और देश के विपक्षी सियासी दल सवाल पूछ रहे हैं कि यह सफाई है या सियासी छंटनी? यह डेटा क्लीनिंग है या लोकतंत्र की री-इंजीनियरिंग? चुनाव आयोग इसे प्रक्रिया कह रहा है जबकि विपक्ष ने इसे चुनावी साजिश का नाम दिया है। जबकि जनता पूछ रही है कि लिस्ट में मेरा नाम कहां है?

चुनावी राज्य बंगाल से भी करीब 91 लाख वोटरों के नाम हटे

6 करोड़ से ज्यादा नाम हटे

इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की ओर से शेयर किए गए आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल 27 अक्टूबर को जब एसआईआर की घोषणा की गई थी तब इन 12 राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों की वोटर लिस्ट में लगभग 51 करोड़ मतदाताओं के नाम थे। इसके बाद एसआईआर प्रक्रिया में कई मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। अब ताजा आंकड़ों के मुताबिक एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की वोटर लिस्ट में लगभग 44.92 करोड़ नाम दर्ज हैं। इसका सीधा मतलब है कि 6.08 करोड़ नाम हटाये जा चुके हैं। यह सभी नाम अलग-अलग राज्यों से हटाए गए हैं।

'चुनाव आयोग पर अब भरोसा नहीं'

समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए भाजपा के पक्ष में मतदाता सूची में हेरफेर का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के विरोध के बावजूद चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर वोट काटने के षड्यंत्रों में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि मैं अपने कार्यकर्ताओं से कहना चाहता हूं कि बूथ लेवल पर चेक करें कि कितने योग्य वोट काटे गए हैं। उन्हें जोड़ना है क्योंकि भाजपा के लोग सिर्फ और सिर्फ षड्यंत्र कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में दो करोड़ से अधिक वोट काटे गए हैं। धर्मेंद्र यादव ने कहा कि आजमगढ़ में साढ़े तीन लाख वोट काटे जाने की सूचना है। हम लोग शुरू से शक जता रहे हैं कि वोट काटे जाएंगे। एसआईआर के जरिए वे घुसपैठियों को भगाने का दावा कर रहे हैं। उन्हें पहले ये बताना चाहिए कि बिहार से कितने घुसपैठियों का नाम हटाया गया। ये विपक्ष के लोगों के वोट काटने की प्रक्रिया थी।

विपक्षी पार्टियां लगातार एसआईआर का कर रही है विरोध

पिछले काफी समय से देशभर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा काफी ज्यादा चर्चा में रहा है। चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट में सुधार के लिए यह प्रक्रिया शुरू की थी। विपक्ष इस प्रक्रिया का लगातार विरोध कर रहा था और चुनाव आयोग के साथ-साथ बीजेपी पर भी हमलावर रहा। तमाम विवादों के बीच यह प्रक्रिया बीते शुक्रवार को पूरी हो चुकी है और प्रोसस पूरा होने के बाद 9 राज्यों और 3 केंद्र-शासित प्रदेशों की वोटर लिस्ट से लगभग 6.8 करोड़ मतदाताओं के नाम हट गए हैं। चुनावी राज्य बंगाल से भी करीब 91 लाख वोटरों के नाम हटाए गए हैं। उत्तर प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का दूसरा चरण पूरा हो गया है। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, पुडुचेरी, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, गुजरात, मध्यप्रदेश और गोवा की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की गई है।

उत्तर प्रदेश में अब 13.40 करोड़ मतदाता रह गए

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यूपी में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। यूपी में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद कुल 13 करोड़ 39 लाख 84 हजार 792 वोटर हैं। 84,28,767 मतदाता बढ़े हैं। हालांकि, 2024 के मुकाबले 2.06 करोड़ वोटर के नाम कट गए हैं। अभियान से पहले प्रदेश में 15.44 करोड़ मतदाता थे जबकि अब 13.40 करोड़ मतदाता रह गए हैं। यानी कुल मतदाताओं की संख्या में 13.24 प्रतिशत की कमी आई है।

वोट जोड़े जाने पर भी संशय

एसआईआर के दौरान 84 लाख वोटरों के जोड़े जाने पर उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पर अब भरोसा नहीं है। जिस तरह टीएमसी और चुनावी अधिकारियों के साथ व्यवहार किया गया वह सबके सामने है। चुनाव आयोग के लिए जितनी मान्यताएं मर्यादा, आदर्श और परंपराएं थीं सारे तोड़कर आयोग स्वामीभक्ति में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थानों की मर्यादाएं तार-तार हो रही हैं। संविधान मानने वाले लोग आहत हैं। जब से एसआईआर चल रहा है तब से हम लोग आवाज उठा रहे हैं। संसद के सत्र में हमने आवाज उठाई। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को सजग रहने की अपील करते हुए कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष की तरफ से अंगूठा लगाने वालों के हस्ताक्षर वाले फॉर्म भर दिए गए हैं। इसको लेकर आवाज उठाई गई है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान बड़े पैमाने पर धांधली हुई है।

लोस की तरह विस में भी हारेगी बीजेपी : अखिलेश

यूपी में फाइनल वोटर लिस्ट पर बोले सपा प्रमुख-भाजपा जब हारने लगती है तो चुनाव आयोग से हाथ मिला लेती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में एसआई प्रक्रिया पूरी होने के बाद आयोग व भाजपा पर करारा हमला बोला है। बता दें निर्वाचन आयोग द्वारा फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी गयी है।

बीजेपी को निशाने पर लेते हुए अखिलेश यादव ने कहा, बीजेपी जब हारने लगती है तो चुनाव आयोग से हाथ मिला लेती है, इसके बावजूद जिस तरह लोकसभा में हराया था, उसी तरह से 27 में भी बीजेपी को हराएंगे। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि यूपी में बीजेपी को सबसे पहले हराएंगे, उसके बाद राजस्थान या दूसरे राज्यों का रुख करेंगे, वहीं उन्होंने एसआईआर के जरिए पीडीए के वोट काटने का भी आरोप लगाया। एसआईआर के जरिये पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यकों के वोट काटे गए

फाइनल वोटर लिस्ट आने के बाद अखिलेश यादव ने बीजेपी के साथ ही चुनाव आयोग पर भी सीधा हमला बोला है. जयपुर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बीजेपी जब भी हारती है तो चुनाव आयोग को आगे कर देती है। लेकिन 27 में बीजेपी को हराएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के जरिये पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यकों के वोट काटे गए। योजना बद्ध तरीके से बीजेपी और चुनाव आयोग पीडीए के नाम डिलीट कर रहे हैं. फॉर्म-7 इसका बड़ा हथियार बना।

हुमायूं कबीर-ओवैसी पर कुछ नहीं बोले

बंगाल चुनाव के बीच ओवैसी और हुमायूं कबीर पर पैसे लेने का एक वीडियो टीएमसी द्वारा जारी किया गया था। जिसके बाद दोनों के बीच गठबंधन टूट गया। इस पर अखिलेश यादव ने कहा कि वहां बहुत कुछ हो रहा है। मैं ज्यादा बोलना नहीं चाहता। इसके साथ ही उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने पर कहा कि हम उन्हें प्रधानमंत्री के तौर पर रिटायर करना चाहते थे, लेकिन अब वे राज्यसभा सदस्य के रूप में रिटायर हो जाएंगे।

मंगल पांडे की विरासत कांग्रेस के पास : मसूद

» बोले कांग्रेस सांसद- बीजेपी माफीवीरों की विरासत संभाले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज तिवारी ने स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे को भारत रत्न देने की मांग कर दी है। एक तरफ उनकी इस मांग को समर्थन मिल रहा है तो वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस ने निशाना साधना शुरू कर दिया है। कांग्रेस सासंद इमरान मसूद ने मनोज तिवारी की इस मांग पर प्रतिक्रि या दी है।

इमरान मसूद ने कहा कि मंगल पांडे को मानने की बात कही जा रही है, मंगल पांडे की विरासत इनके पास है क्या? उन्होंने कहा कि मंगल पांडे की विरासत हमारे पास है मंगल पांडे आदर्श थे, आदर्श हैं और आदर्श रहेंगे इनके मानने या न मानने से क्या फर्क पड़ रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि इनके पास तो माफीवीरों की विरासत है और यह माफीवीर हैं. इनके पास माफीनामे लिखे हुए हैं, इसलिए यह माफीवीरों की विरासत को संभाले। इमरान मसूद ने इस बयान के जरिए मनोज तिवारी और बीजेपी पर निशाना साधा है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने उठाया सवाल

इस बीच कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि अगर मनोज तिवारी भारत रत्न की मांग कर रहे हैं तो वह लेटर हेड पर इस मांग को लिखकर प्रधानमंत्री को सौंपे, मीडिया के सामने आकर वे क्यों मांग कर रहे हैं, उन्होंने आगे कहा कि पीएम ऑफिस या राष्ट्रपति के समक्ष इस मांग को लिखित में देकर पूरा कराना चाहिए, ये बेहतर बात है. मंगल पांडे स्वतंत्रता सेनानी थे।

सीएम नीतीश कुमार पर थोपा गया है फैसला : तेजस्वी यादव

» बोले राजद नेता- भाजपा ने जदयू से की वादा खिलाफी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज दिल्ली में राज्यसभा सदस्य के तौर पर शपथ ग्रहण किया। राजनीतिक गलियारों में सवालों और अटकलों के बीच बस अब यही चर्चा है कि नीतीश कुमार कब मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ेंगे। अब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला किया है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि राज्यसभा जाना नीतीश की इच्छा नहीं थी, बल्कि उन पर जबरन दवाब बनाया गया है। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यही इच्छा होती तो वह चुनाव से पहले भी बोल सकते थे। अचानक से सीएम की शपथ लेने के बाद तो उनकी इच्छा नहीं जगी होगी। तेजस्वी यादव ने एनडीए पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के वक्त तो नेता कहते थे कि 25 तक नीतीश ही रहेंगे, फिर अचानक यह बदलाव क्यों? तेजस्वी यादव ने कहा कि यह नीतीश कुमार का फैसला नहीं है, बल्कि उन पर थोपा गया फैसला है।

उन्होंने सवाल पूछा है कि इतने बड़े जनादेश के बाद भी सरकार में बदलाव आखिर किस मजबूरी में किया जा रहा है? तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने राज्यसभा की शपथ ली है, कोई प्रधानमंत्री पद की नहीं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एलपीजी की किल्लत पर लोगों की होने वाली परेशानियों को लेकर भी सरकार पर हमला किया। उन्होंने कहा कि गैस की किल्लत की वजह से बड़ी संख्या में बाहर काम करने वाले मजदूर बिहार लौट रहे हैं, लेकिन बिहार सरकार ने उनके लिए किसी तरह की कोई व्यवस्था नहीं की। यहां तक कि इसपर कोई चर्चा भी नहीं हो रही है।

केंद्र के सामने तमिलनाडु झुकेगा नहीं : स्टालिन

» बोले सीएम- अधिकारों या संघवाद पर कोई समझौता नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु झुकेगा नहीं और राज्य के अधिकारों या संघवाद पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि उनकी सरकार गरिमा और आत्मसम्मान के लिए खड़ी है और किसी भी प्रकार के थोपे जाने के खिलाफ है, साथ ही जनहितैषी, कल्याणकारी और समावेशी शासन के साथ विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उनकी ये टिप्पणियां तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले आई हैं, जिनके लिए 23 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा और मतगणना 4 मई को होगी।

एक पोस्ट में स्टालिन ने लिखा कि तमिलनाडु झुकेगा नहीं। राज्य के अधिकारों या संघवाद पर कोई समझौता नहीं। गरिमा और आत्मसम्मान के लिए हां। थोपे जाने के खिलाफ। जन-केंद्रित, कल्याणकारी और समावेशी शासन के साथ विकास के लिए प्रतिबद्ध। स्टालिन ने एक भारतीय दैनिक समाचार पत्र में दिए अपने साक्षात्कार की एक क्लिपिंग भी साझा की। एक भारतीय दैनिक समाचार पत्र को दिए साक्षात्कार में स्टालिन ने कहा कि डीएमके का कल्याणकारी शासन, मजबूत वैचारिक आधार और गठबंधन की ताकत आगामी चुनावों में द्रविड़ मॉडल 2.० जनादेश सुनिश्चित करेगी। स्टालिन ने दावा किया कि तमिलनाडु भर में सत्ता समर्थक भावना प्रबल है, और कहा कि लोग सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में पूरी तरह से जानकारी होने से पहले ही उनसे अवगत हैं और उनका समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह डीएमके के शासन मॉडल में जनता के गहरे विश्वास और द्रविड़ राजनीति की निरंतरता को दर्शाता है। कलाइग्नार मगलीर उरिमाई थोगई, विदियाल पयानम, पुधुमाई पेन और नान मुधलवन जैसी प्रमुख कल्याणकारी पहलों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण योजनाएं उनकी सरकार के एजेंडे का केंद्र बिंदु बनी हुई हैं।

उन्होंने इन नीतियों को आजीविका और सामाजिक न्याय में सुधार लाने में परिवर्तनकारी बताया। राजनीतिक स्थिति पर बात करते हुए स्टालिन ने चुनाव को टीम तमिलनाडु और टीम दिल्ली के बीच की लड़ाई के रूप में पेश किया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर गठबंधन के माध्यम से राज्य में प्रवेश करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने डीएमके की शासन संबंधी विफलताओं को कथित तौर पर गलत तरीके से पेश करने के लिए विपक्ष की आलोचना भी की और तमिलनाडु की राजनीति में गठबंधन की गतिशीलता का बचाव किया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

भारत का सबसे बड़ा दुश्मन चीन, हमसे कई गुना शक्तिशाली : हामिद अंसारी

बोले पूर्व उप राष्ट्रपति- सच्चाई को अनदेखा नहीं कर सकते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत का अगर कोई सबसे बड़ा दुश्मन है तो वह चीन ही है। हमारी सैन्य शक्ति की तुलना भी चीन के साथ ही की जाती है। ऐसे में भारत के पूर्व उप राष्टपति हामिद अंसारी का एक बयान सुर्खियों में आ गया है। वह मशहूर वकील और भारत के पूर्व विदेश मंत्री कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद से बातचीत करते नजर आ रहे हैं।

इस बातचीत में हामिद अंसारी कहते हैं कि चीन की अनदेखी नहीं की जा सकती। वह भारत से कई गुना ज्यादा शक्तिशाली है फिर चाहे बात सेना की हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की। हम वास्तविकताओं को अनदेखा नहीं कर सकते। चीन हमारा पड़ोसी है और बड़ा पड़ोसी देश है और उसे कमतर नहीं आंकना ठीक नहीं है। चीन न सिर्फ भू भाग में बल्कि बल्कि जनसंख्या के हिसाब से भी काफी बड़ा देश है। वह विकसित भी है। वह हमसे कई गुना शक्तिशाली है। जब हम चीन की बात करते हैं तो हमें कोई नया ही रास्ता ढूंढना होगा। सलमान खुर्शीद सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। जाने-माने लेखक के साथ-साथ वह कांग्रेस के दिग्गज नेता भी हैं। विदेश मंत्रालय में सलमान खुर्शीद कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने 009 के लोकसभा चुनाव फर्रुखाबाद क्षेत्र से चुनाव जीता था। सलमान इसी इलाके के रहने वाले हैं। खुर्शीद ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत 1981 में इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में प्रधानमंत्री कार्यालय में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी के रूप में की थी।

बंगाल व तमिलनाडु में अब वोटर बनेंगे राजा

» डीएमके व टीएमसी को यकीन सत्ता उन्हीं के पास रहेगी

» भाजपा गठबंधन दोनों की सत्ता में सेंध लगाने की जुगत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तीन राज्यों में वोटिंग हो गई। जनता ने उम्मीदवारों की किसमत के ताले ईवीएम में बंद कर दिए। मई के पहले हफ्ते में पता चल जाएगा किसको जीत मिलती है और किसको हार। उधर अब दो बड़े राज्यों बंगाल व तमिलनाडु में वोटिंग होगी। दोनों ही राज्यों में सत्तारूढ़ दलों को फिर से सत्ता में वापसी का भरोसा है तो वहीं भाजपा इन राज्यों में अपना खाता खुलावाने के लिए साम-दाम-दंड-भेद सब अपना रही है। दोनों ही राज्यों में वही टीमएमसी व डीएमके के सरकारों को घेरने का कोई भी मौका नहीं छोड़ रही है।

इसी क्रम में बंगाल में भाजपा के प्रदेश प्रभारी और वरिष्ठ नेता नितिन नवीन ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि वे अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देकर बंगाल के लोगों के अधिकारों का हनन कर रही हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। भाजपा के प्रदेश प्रभारी और वरिष्ठ नेता नितिन नवीन ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि वे अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देकर बंगाल के लोगों के अधिकारों का हनन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस कवायद का मकसद अवैध घुसपैठियों को हटाना है, खासकर बांग्लादेश से आए उन लोगों को जो गलत तरीकों से नागरिकता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। एक अखबार को दिए एक इंटरव्यू में, नवीन ने बनर्जी और कांग्रेस, दोनों की आलोचना करते हुए कहा कि जब भारत को पाकिस्तान से सुरक्षा संबंधी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, तब वे चुप रहे थे। नवीन ने कहा यह वही ममता बनर्जी और वही कांग्रेस है जो तब चुप रही थी जब हमारे सैनिकों के सिर काट दिए गए थे और जब कश्मीर के लाल चौक पर पाकिस्तानी झंडा फहराया गया था। इस देश के लोग जानते हैं कि आज हम कैसे जवाब देते हैं।

मतदान के लिए दोनों राज्य तैयार

तमिलनाडु में सियासी दल ब्राह्मणों को टिकट देने में कंजूस

तमिलनाडु की चुनावी सरगर्मी के बीच एक ऐसा तथ्य सामने आया है जिसने पूरी राजनीतिक बहस को झकझोर दिया है। हम आपको बता दें कि राज्य की प्रमुख पार्टियों डीएमके, एआईएडीएमके, कांग्रेस और यहां तक कि भाजपा ने इस बार एक भी ब्राह्मण उम्मीदवार मैदान में नहीं उतारा। दरअसल यह कोई चुनावी रणनीति नहीं, बल्कि उस गहरी राजनीतिक और सामाजिक सोच का नतीजा है जिसने पिछले सौ वर्षों में तमिलनाडु की सत्ता की परिभाषा ही बदल दी है।यह कहानी तमिलनाडु की सत्ता से ब्राह्मण समुदाय के गायब होने की नहीं है, बल्कि उसकी भूमिका के बदल जाने की है। हम आपको बता दें कि ब्राह्मण तमिलनाडु में आज भी नौकरशाही, नीति निर्माण, विचारधारा और प्रभावशाली नेटवर्क में मजबूती से मौजूद हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि अब वह चुनावी मंच पर नजर नहीं आते, बल्कि पर्दे के पीछे से खेल को दिशा देते हैं। यानी चेहरा नहीं, सिस्टम बन गए हैं। इस बदलाव की जड़ें ढूँढने के लिए इतिहास के पन्नों को पलटना होगा। हम आपको याद दिला दें कि 1916 का गैर ब्राह्मण घोषणापत्र इस पूरे परिवर्तन की शुरुआत था। उस दौर में ब्राह्मण आबादी में बेहद कम थे, लेकिन शिक्षा, सरकारी नौकरियों और प्रशासन में उनका दबदबा असाधारण था। अंग्रेजी भाषा उनकी सबसे बड़ी ताकत थी, जिसने उन्हें सत्ता के करीब पहुंचाया। यही असंतुलन धीरे-धीरे असंतोष में बदला और फिर एक मजबूत राजनीतिक पहचान में ढल गया यानि गैर ब्राह्मण। द्रविड़ आंदोलन ने इस पहचान को धार दी। यह आंदोलन केवल विरोध नहीं था, बल्कि एक वैकल्पिक सत्ता संरचना का निर्माण था। इसने सामाजिक असमानता, भाषा गर्व और बराबरी की मांग को मिलाकर ऐसी राजनीति बनाई जिसने पूरे राज्य का चेहरा बदल दिया। इसके बाद ब्राह्मण केवल एक समुदाय नहीं रहे, बल्कि असमानता के प्रतीक के रूप में स्थापित कर दिए गए। यह सोच धीरे-धीरे नारे से निकलकर आम समझ बन गई।

ब्राह्मण जयललिता ने भी नहीं दी तव्वजो

जयललिता इस पूरी कहानी में एक अपवाद के रूप में सामने आती हैं। ब्राह्मण होते हुए भी उन्होंने कभी अपनी जातीय पहचान को राजनीति का आधार नहीं बनाया था। उन्होंने एक व्यापक, सर्वसमाज आधारित नेतृत्व तैयार किया। लेकिन उन्होंने भी ब्राह्मण राजनीति को फिर से केंद्र में लाने की कोशिश नहीं की। क्योंकि तब तक तमिलनाडु की राजनीति का ढांचा पूरी तरह बदल चुका था।आज की राजनीति में सत्ता के नए केंद्र उभर चुके हैं। एआईएडीएमके में थेवर और गौंडर जैसे समुदाय प्रभावशाली हो चुके हैं, जबकि डीएमके में अन्य मजबूत सामाजिक समूहों का दबदबा है। यानी जाति खत्म नहीं हुई, बल्कि सत्ता का चेहरा बदल गया है। देखा जाये तो तमिलनाडु की राजनीति अब ब्राह्मण बनाम गैर ब्राह्मण की नहीं रही, बल्कि अलग अलग पिछड़े और प्रभावशाली समुदायों के बीच प्रतिस्पर्धा बन चुकी है। यही वजह है कि आज ब्राह्मण उम्मीदवारों की गैर मौजूदगी कोई चौंकाने वाली घटना नहीं, बल्कि एक स्थापित राजनीतिक सच्चाई है।देखा जाये तो असल सवाल यह नहीं है कि ब्राह्मण चुनाव क्यों नहीं लड़ रहे, बल्कि यह है कि उन्हें लड़ने की जरूरत ही क्यों महसूस नहीं हो रही? जब सत्ता पर्दे के पीछे से भी नियंत्रित की जा सकती है, तो सामने आकर जोखिम क्यों लिया जाए? बहरहाल, तमिलनाडु ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि यहां राजनीति प्रतीकों से नहीं, बल्कि जमीन की हकीकत से चलती है। और इस हकीकत में सत्ता अब मंच पर नहीं, बल्कि पर्दे के पीछे ज्यादा सुरक्षित और प्रभावशाली है। यही इस पूरी कहानी का सबसे धारदार और असहज सच है।

1950 के दशक में यह बदलाव

1950 के दशक में यह बदलाव साफ नजर आने लगा। कांग्रेस का नेतृत्व ब्राह्मणों से निकलकर गैर ब्राह्मणों के हाथ में चला गया। 1954 में के. कामराज के नेतृत्व में मद्रास राज्य में पहली बार कोई ब्राह्मण मंत्री नहीं था। 1970 के दशक तक सत्ता और विपक्ष दोनों ही गैर ब्राह्मण राजनीति के कब्जे में आ गए। यह केवल चुनाव जीतने का मामला नहीं था, बल्कि यह तय हो चुका था कि सत्ता की वैधता किसके पास होगी। आज जो हो रहा है, वह उसी लंबी य का नया

अध्याय है। दिलचस्प बात यह है कि भाजपा, जिसे अक्सर ब्राह्मण समर्थक पार्टी माना जाता है, उसने भी एक भी ब्राह्मण उम्मीदवार नहीं उतारा है। सवाल उठता है क्यों? जवाब सीधा है, लेकिन असहज भी। दरअसल ब्राह्मण नेतृत्व पार्टी के भीतर प्रभाव बनाए रखना चाहता है, लेकिन चुनावी जोखिम लेने से बचता है। यानी सत्ता पर पकड़ भी रहे और राजनीतिक जोखिम भी न उठाना पड़े। दूसरी ओर, छोटे और नए दल इस जड़ता को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ पार्टियों ने ब्राह्मण उम्मीदवार उतारे हैं, खासकर उन इलाकों में जहां उनका प्रभाव अब भी बना हुआ है। लेकिन बड़ी पार्टियां इस जोखिम से दूर रहना ही बेहतर समझती हैं।

किसी से भी राष्ट्रवाद का सर्टिफिकेट नहीं चाहिए

नवीन ने पिछले हमलों पर भारत की प्रतिक्रिया को रेखांकित करते हुए, कारगिल युद्ध और उसके बाद हुई सर्जिकल स्ट्राइक जैसी घटनाओं का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा जब भी पाकिस्तान को जवाब देना पड़ा, तो हमारे नेतृत्व ने ही जवाब दिया—चाहे वह कारगिल के दौरान हो या उसके बाद, जिसमें सर्जिकल स्ट्राइक भी शामिल है।

हमें उनसे राष्ट्रवाद पर किसी सर्टिफिकेट की ज़रूरत नहीं है।

टीएमसी पर अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप

भाजपा प्रमुख ने टीएमसी पर चुनावी फायदे के लिए बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि वोट-बैंक की राजनीति के लिए ऐसे घुसपैठियों को कल्याणकारी योजनाओं, खाद्य लाभों और वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने की सुविधा दी जा रही है।

उनके लिए राष्ट्रवाद का मतलब है बांग्लादेश से लोगों को लाना और बंगाल के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करना। सरकारी योजनाएं, खाद्य लाभ और कल्याणकारी उपाय उन्हें सिर्फ़ वोट-बैंक की राजनीति के लिए दिए जा रहे हैं–ताकि उनके नाम वोटर लिस्ट में जुड़ जाएं और उन्हें आधार कार्ड मिल जाएं। यह खेल कौन खेल रहा है? उन्होंने पूछा।

बंगाल में विधानसभा के चुनाव दो चरणों में 23 व 29 अप्रैल को

ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब पश्चिम बंगाल एक जोरदार चुनावी मुकाबले के लिए तैयार हो रहा है। 294 सदस्यों वाली राज्य विधानसभा के चुनाव दो चरणों में—23 और 29 अप्रैल को—होने हैं, और वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

वोटर लिस्ट के रिवीजन पर रार

इस आलोचना के जवाब में कि वोटर लिस्ट के रिवीजन का इस्तेमाल मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के लिए किया जा रहा है, नवीन ने कहा कि भाजपा अवैध घुसपैठ को लेकर अपनी चिंताएं उठाती रहेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी ने मनमाने ढंग से किसी का नाम नहीं हटाया है, लेकिन जो लोग गैर-कानूनी तरीकों से नागरिकता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा अगर आप बांग्लादेश से अवैध प्रवासियों को लाते हैं, तो हम निश्चित रूप से यह मुद्दा उठाएंगे। क्या हमने कभी किसी का नाम मनमाने ढंग से हटाया है? लेकिन अगर बांग्लादेश से आए अवैध प्रवासी गलत तरीकों से नागरिकता हासिल करने की कोशिश करते हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आने वाले समय में ऐसी और भी कार्रवाइयां की जाएंगी।

भाजपा नेता के. अन्नामलाई ने राहुल गांधी को घेरा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के. अन्नामलाई ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की इस बात के लिए आलोचना की कि हवाई अड्डे पर पहुंचने के बावजूद उन्होंने कोयंबटूर में चुनाव प्रचार में भाग नहीं लिया, और इसका कारण इंडिया गठबंधन के भीतर एकता की कमी बताया। अन्नामलाई ने यह भी बताया कि पुडुचेरी में राहुल गांधी के हालिया भाषण में मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन अनुपस्थित थे, और कहा कि दोनों नेताओं की वहां मुलाकात नहीं हुई। तमिलनाडु और पुडुचेरी में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के बारे में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने चुनाव प्रचार रणनीतियों की

रूपरेखा प्रस्तुत की। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने चुनाव संबंधी रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात की, और इस बात पर जोर दिया कि ये बातचीत मुख्य रूप से चुनाव प्रचार की योजना और जनसंपर्क प्रयासों पर केंद्रित थी। कांग्रेस पार्टी को संबोधित करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि उन्होंने संसद में महिलाओं के अधिक प्रतिनिधित्व की वकालत की है और इस बात पर जोर दिया है कि एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होनी चाहिए। अभिनेता रजनीकांत की हालिया टिप्पणियों के बारे में अन्नामलाई ने कहा कि उन्हें संदर्भ की जानकारी नहीं है, लेकिन उन्होंने रजनीकांत को एक महान अभिनेता और उच्च चरित्र का व्यक्ति बताया। टीवीके प्रमुख अभिनेता विजय के चुनाव प्रचार पर उन्होंने कहा कि अनुमति दी जानी चाहिए और पुलिस को अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया करानी चाहिए। उन्होंने चिंता का विषय बने करूर मुद्दे का भी जिक्र किया और कहा कि अनुमति देने से पहले सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाना चाहिए। नामांकन पत्रों की जांच को लेकर अविश्वास जताते हुए अन्नामलाई ने पत्रकारों को स्पष्टता के लिए अरवाकुरिची जाने की सलाह दी और उनके लिए पास की व्यवस्था करने की पेशकश की। उन्होंने बातचीत के दौरान एएनआई की भी कड़ी आलोचना की। अन्नामलाई ने आगे कहा कि मैंने राजनीति में ईमानदारी लाई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पुलिस हिरासत में मौत पर संवदेनशीलता जरूरी

देश की पुलिस व्यवस्था में हजारों अधिकारी और जवान ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं, लेकिन जब हिरासत में मौत जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो सवाल केवल एक थाने या कुछ कर्मियों तक सीमित नहीं रहते- पूरी व्यवस्था कठघरे में खड़ी हो जाती है।

पुलिस हिरासत में मौत के मामले भारत में आए दिन होते रहते हैं। पर कछ दिन शोर मचता है फिर कहीं ओझल हो जाता है। पर अदालती फैसले ने एक उम्मीद जगाई है कि पुलिस अब ऐसे हादसें करवाने से बचेंगे। बता दें तमिलनाडु की एक निचली अदालत हिरासत में मौत के मामले में जब नौ पुलिसकर्मियों को मृत्युदंड की सजा सुनाती है तो उसकी पृष्ठभूमि भी पुलिस बल की ऐसी ही संवेदनहीनता को लेकर सख्ती दिखाने वाली होती है। फैसले को अंजाम तक पहुंचाना संविधान व कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में ही आता है, पर इतना निश्चित है कि अदालतों के ऐसे फैसले व्यवस्था के भीतर यही सख्त संदेश देते हैं कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। हिरासत में मौत का प्रकरण किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सिर्फ एक आपराधिक घटना ही नहीं, बल्कि संवेदनहीनता की पराकाष्ठा दिखाने वाला प्रसंग होता है।

वर्ष 2020 में कोविड नियमों का उल्लंघन कर दुकान खोलने के आरोप में पुलिस वाले पिता-पुत्र को थाने में ले गए थे। वहां पुलिस की ओर से जोरदार पिटाई करने से दोनों की मौत हो गई। मामले ने तूल पकड़ा तो सरकार ने मामला सीबीआइ को सौंप दिया था। फैसले में न्यायाधीश ने इस घटना को ऐसा दुर्लभ मामला माना, जिसमें कानून के रखवालों ने ही कानून का उल्लंघन किया। इस घटनाक्रम को दूसरे पहलू से देखें तो यह भी सही है कि हर वर्दीधारी गलत नहीं होता। देश की पुलिस व्यवस्था में हजारों अधिकारी और जवान ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं, लेकिन जब हिरासत में मौत जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो सवाल केवल एक थाने या कुछ कर्मियों तक सीमित नहीं रहते- पूरी व्यवस्था कठघरे में खड़ी हो जाती है। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि पुलिस कार्रवाई में राजनीतिक हस्तक्षेप और प्रश्रय की भूमिका पर गंभीर बहस हो। देश में ऐसे सैकड़ों उदाहरण सामने आ चुके हैं, जहां पुलिस की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया गया। कई बार सत्ता के दबाव, स्थानीय प्रभाव या ऊपर से मिले संकेत कानून की निष्पक्षता को प्रभावित करते हैं। ऐसे में हिरासत में मौत के मामलों को केवल क्षणिक क्रोध या व्यक्तिगत आवेग का परिणाम मान लेना अधूरा विश्लेषण होगा। इसके पीछे संरचनात्मक दबाव, जवाबदेही की कमी और सत्ता-संबंधों की जटिलता भी हो सकती है। भारतीय संविधान हर नागरिक को गरिमा से जीवन जीने का अधिकार देता है। हिरासत में किसी की भी मौत इस मूल अधिकार का सीधा उल्लंघन है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कच्ची पर्ची व्यवस्था पर रोक से किसानों को मिलेगा न्याय

डॉ. वीरेंद्र सिंह लाठर

भारत में कृषि विपणन का एक व्यवस्थित ढांचा मौजूद था, जो ग्रामीण आत्मनिर्भरता और स्थानीय मंडियों पर आधारित था। किसान न केवल अपने उपभोग के लिए, बल्कि विशेष फसलों जैसे कपास, मसाले, अनाज आदि का उत्पादन व्यापार के लिए भी करते थे। यह विपणन व्यवस्था ग्राम आधारित थी। किसान अपने उत्पादन के साधनों के स्वामी होते थे और स्वतंत्र रूप से अपनी फसल को बाजार में बेचने का निर्णय ले सकते थे। देश की आजादी के बाद, सर छोटूराम द्वारा ब्रिटिश पंजाब में लागू किए गए कृषि उपज मंडी सुधारों के आधार पर कृषि नीति तैयार की गई और राज्यों ने कृषि उपज विपणन समिति अधिनियम पारित किए, जिसके तहत स्थानीय मंडियां स्थापित की गईं। इसका उद्देश्य बिचौलियों के शोषण को कम करना और किसानों को उचित मूल्य दिलाना था।

शुरुआत में, कृषि एवं कृषि प्रबंधन समितियां वास्तव में प्रभावी थीं। इन्होंने कृषि व्यापार में नीलामी आधारित मूल्य निर्धारण, मानकीकृत वजन प्रणाली, लाइसेंस प्राप्त व्यापारियों और विनियमित लेन-देन प्रक्रियाओं को लागू किया। इनके गठन के समय, एपीएमसी को नीलामी के माध्यम से बेहतर मूल्य सुनिश्चित करने और किसानों को विपणन की उच्च लागत और उपज के नुकसान से बचाने के लिए एक लोकतांत्रिक समाधान के रूप में सराहा गया था। समय के साथ, किसानों की सुरक्षा के लिए बनाई गई व्यवस्थाएं ही उनके विरुद्ध कार्य करने लगीं। एक पारदर्शी मूल्य निर्धारण प्रणाली ऐसी प्रणाली में परिवर्तित हो गई जहां कीमतें व्यापारियों और कमीशन एजेंटों द्वारा साज-बाज द्वारा तय की जाने लगी। दशकों से कई संरचनात्मक विकृतियां संचित होती रहीं। भारत की कृषि को जटिल आपूर्ति श्रृंखलाओं से लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें कई बिचौलिए शामिल हैं। साथ ही, प्रतिबंधात्मक घरेलू विपणन नीतियां और सीमा संबंधी उपाय भी हैं, जिनके कारण समीक्षाधीन अवधि के अधिकांश समय में कीमतें औसतन अंतर्राष्ट्रीय बाजार स्तर से नीचे रही हैं।

इसके साथ ही, कई वस्तुओं में अंतिम उपभोक्ता मूल्य में किसानों का हिस्सा बेहद कम बना हुआ है। हालांकि, सीएसीपी ने 23 फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की सिफारिश की थी, लेकिन प्रभावी खरीद मुख्य रूप से एफसीआई के माध्यम से

चावल और गेहूं के लिए ही संचालित होती थी, जो धान की कुल बिक्री का केवल एक-चौथाई और गेहूं का 20 प्रतिशत ही एमएसपी पर बेचा गया। दशकों की नीति के बावजूद, अधिकांश किसान गारंटीकृत न्यूनतम मूल्य प्राप्त नहीं कर सके। दालों या तिलहन की खेती करने वाले किसानों के लिए, एमएसपी अक्सर एक घोषणा मात्र रह जाती थी, जिसके पीछे कोई खरीद तंत्र नहीं होता था। खाद्यान्न जांच समिति की सिफारिशों के बाद, सरकार ने 1950 के दशक के उत्तरार्ध में खाद्यान्नों में सरकारी व्यापार भी शुरू किया। इसके तहत सरकार ने किसानों को उचित मुआवजा सुनिश्चित करने के लिए गेहूं और चावल जैसी प्रमुख वस्तुओं की पूर्व निर्धारित कीमतों पर खरीद की। वर्ष 1961 में पंजाब राज्य कृषि उपज मंडी अधिनियम पारित हुआ, जिसकी नियमावली पंजाब राज्य कृषि उपज मंडी अधिनियम रूल्स-1962 के अन्तर्गत लागू की गई। इस अधिनियम की सेक्शन-43, रूल 24 (11, 12 और 14) के अनुसार आढ़तियों को कृषि उपज बिक्री-तुलाई के तुरंत बाद किसानों को भुगतान और जे-फार्म जारी करना कानूनन अनिवार्य है। लेकिन मंडियों में इन नियमों का खुला उल्लंघन करते हुए, फसल उपज की सरकारी खरीद में कार्टेल बनाकर और अवैध कच्ची पर्ची (अनौपचारिक रसीद) व्यवस्था द्वारा समर्थन मूल्य से कम पर कृषि उपज खरीदने से किसानों का खुला शोषण हो रहा था। आढ़तियों की अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था से किसानों का आर्थिक नुकसान हो रहा है। कच्ची पर्ची व्यवस्था से किसानों के लगातार हो रहे शोषण के खिलाफ लेखक द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए, हाईकोर्ट ने 27 जनवरी, 2026 को सरकार को अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था पर रोक लगाने के दिशानिर्देश जारी किए।

हरियाणा सरकार द्वारा अनुपालना करते हुए 1 अप्रैल को प्रदेश की कृषि उपज मंडियों के आढ़तियों को अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था तुरंत बंद करने और कृषि उपज बिक्री-तुलाई के तुरंत बाद कानूनन जे-फार्म अनिवार्य रूप से किसानों को देने के आदेश जारी किए गए। सरकार द्वारा कच्ची रसीद (पर्ची) व्यापार पर प्रतिबंध लगाए जाने से मंडियों में दस हजार करोड़ रुपये वार्षिक से अधिक के किसानों के शोषण और सरकारी धन के घोटालों पर भी लगाम लग सकेगी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य के लिए चुनौती बनी छिपी भूख

डॉ. अनु कुमार

आज का भारत एक विसंगति दौर से गुजर रहा है। एक ओर देश तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है, बाजारों में खाद्य सामग्री की कोई कमी नहीं है और स्वास्थ्य सेवाएं भी विस्तारित हो रही हैं। लेकिन दूसरी ओर, एक गंभीर समस्या चुपचाप समाज में आकार ले रही है—पोषण की कमी, जिसे अक्सर छिपी हुई भूख कहा जाता है। छिपी हुई भूख का अर्थ है शरीर में आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी, जैसे आयरन, विटामिन बी12, विटामिन डी, जिंक, आयोडीन और फोलिक एसिड। यह कमी थकान, बार-बार संक्रमण, कमजोरी, ध्यान की कमी, हड्डियों की समस्या और रोग प्रतिरोधक क्षमता में गिरावट जैसे लक्षणों के रूप में दिखाई देती है। भारत में आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया आज भी महिलाओं और किशोरियों में आम है।

शहरी आबादी में विटामिन बी12 की कमी तेजी से बढ़ रही है, जिसका एक कारण बदलती भोजन शैली और पोषक तत्वों का ठीक से अवशोषण न होना है। धूप की प्रचुरता के बावजूद विटामिन डी की कमी एक विडंबना बन चुकी है, जो हड्डियों, प्रतिरक्षा तंत्र और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। जिंक और आयोडीन की कमी बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को बाधित करती है। पोषण को लेकर सबसे आम भ्रांति यह है कि भरपूर खाना खाने का मतलब अच्छा पोषण है। आज का आधुनिक भोजन-जो अधिकतर परिष्कृत अनाज, पैकेज्ड फूड और मीठे स्नैक्स पर आधारित है-कैलोरी तो देता है, लेकिन आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व नहीं। हमारी पारंपरिक भोजन पद्धतियां, जिनमें मोटे अनाज, दालें, मौसमी सब्जियां और किण्वित खाद्य पदार्थ शामिल थे, धीरे-धीरे पीछे छूटती जा रही हैं। दरअसल, भोजन में गुणवत्ता के असंतुलन का सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है। पोषण की कमी से रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, जिससे संक्रमण जल्दी होते हैं और ठीक होने में समय लगता है। मधुमेह और हृदय रोग जैसे जीवनशैली से जुड़े रोगों की गंभीरता भी बढ़ जाती है।

बच्चों में यह शारीरिक वृद्धि और सीखने की क्षमता को प्रभावित करती है, जबकि कामकाजी वर्ग में थकान और उत्पादकता में कमी लाती है। बुजुर्गों में यह कमजोरी और जटिलताओं को बढ़ावा देती है। सरकार ने पोषण अभियान, मिड-डे मील, आयरन-फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन और खाद्य सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से सराहनीय प्रयास किए हैं। लेकिन केवल दवाइयों और सप्लीमेंट्स के भरोसे इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। दीर्घकालिक समाधान के लिए जरूरी है कि पोषण भोजन के माध्यम से, सुरक्षित और टिकाऊ तरीके से मिले। यहां पर बायोटेक्नोलॉजी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। अक्सर बायोटेक्नोलॉजी को जटिल प्रयोगशालाओं तक सीमित विज्ञान माना जाता है, जबकि वास्तव में यह हमारे दैनिक जीवन से गहराई से जुड़ी हुई है। बायोफोर्टिफाइड फसलें, जिनमें प्राकृतिक रूप से अधिक आयरन, जिंक या विटामिन मौजूद होते हैं, इसका एक उदाहरण हैं।

ऐसे खाद्य पदार्थ बिना खान-पान की आदत बदले बेहतर पोषण प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा, किण्वन और लाभकारी सूक्ष्मजीवों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है- जो हमारी पारंपरिक खाद्य संस्कृति का हिस्सा रहे हैं, जैसे दही, छाछ, इडली, डोसा और किण्वित पेय। आधुनिक बायोटेक्नोलॉजी इन परंपराओं को वैज्ञानिक आधार देकर पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण और आंतों के स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करती है। फंक्शनल फूड्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स का क्षेत्र भी संभावनाओं से भरा है, बशर्ते इन्हें जिम्मेदारी और किफायती तरीके से विकसित किया जाए। ये उत्पाद विलासिता नहीं, बल्कि विशिष्ट पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के साधन बन सकते हैं—खासकर कमजोर वर्गों के लिए। सबसे महत्वपूर्ण पहलू है जागरूकता। कई बार पोषण की कमी का निदान नहीं हो पाता क्योंकि इसके लक्षणों को सामान्य कमजोरी समझ लिया जाता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य संवाद में अब केवल वजन और कैलोरी नहीं, बल्कि सूक्ष्म पोषक तत्वों और संतुलित आहार पर भी जोर दिया जाना चाहिए। किशोरों, गर्भवती महिलाओं और कामकाजी वर्ग के लिए पोषण शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। नीति स्तर पर, यदि बायोटेक्नोलॉजी आधारित पोषण समाधानों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाए जैसे बायोफोर्टिफाइड अनाज, स्कूल भोजन में पोषण संवर्धन तो परिणाम कहीं अधिक प्रभावी हो सकते हैं। यह भी आवश्यक है कि बायोटेक्नोलॉजी नैतिकता, पारदर्शिता और सुलभता के साथ आगे बढ़े।

छिपी हुई भूख केवल पोषण की समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास की चुनौती है। आज आवश्यकता है कि पोषण को केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी मानकर न देखा जाए, बल्कि इसे शिक्षा, कृषि, विज्ञान और सामाजिक चेतना से जोड़कर समझा जाए। जब तक परिवार स्तर पर यह समझ नहीं बनेगी कि संतुलित आहार क्या है और पोषक तत्व क्यों आवश्यक हैं, तब तक योजनाएं और तकनीकें भी सीमित प्रभाव ही डाल पाएंगी। पोषण साक्षरता को स्कूल पाठ्यक्रम, सामुदायिक कार्यक्रमों और जनसंचार माध्यमों के माध्यम से व्यापक रूप से फैलाना होगा। साथ ही, खाद्य उद्योग और वैज्ञानिक संस्थानों को मिलकर ऐसे समाधान विकसित करने होंगे। बायोटेक्नोलॉजी आधारित नवाचार तभी सफल होंगे जब वे आम आदमी की थाली तक पहुंचें। इसके लिए नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों, शिक्षकों और चिकित्सकों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। स्वस्थ नागरिक ही सशक्त राष्ट्र की नींव होते हैं। पोषण में निवेश दरअसल देश के भविष्य में निवेश है—और इस निवेश का लाभ आने वाली पीढ़ियां अवश्य महसूस करेंगी।

ये भी हैं फायदे

डार्क चॉकलेट में कोकोआ पाया जाता है जिसे अध्ययनों में कई प्रकार से हमारी सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। शरीर में रक्त प्रवाह में सुधार करता है। रक्तचाप कम करने में मददगार। बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। शरीर में इंफ्लामेशन और इंसुलिन प्रतिरोध को कम करता है। न्यूरॉन्स की गतिविधि को बेहतर बनाने और मस्तिष्क की क्षमता में सुधार करने में इसके लाभ हैं। त्वचा को हेल्दी रखने के लिए डार्क चॉकलेट खाना अच्छा विकल्प है। चॉकलेट खाने से त्वचा के ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है। डार्क चॉकलेट का सेवन करने से त्वचा को यूवी रेज के खिलाफ सुरक्षा भी मिलती है।

ब्लड प्रेशर में फायदेमंद

जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या रहती है, उन्हें डार्क चॉकलेट खाने की सलाह दी जाती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि डार्क चॉकलेट में फ्लेवोनोइड पाया जाता है जो नाइट्रिक ऑक्साइड के उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद करता है। इससे धमनियों को खोलने में मदद मिलती है और रक्त का संचार बेहतर बना रहता है। अध्ययनों से पता चलता है कि कोकोआ और डार्क चॉकलेट का संयमित मात्रा में सेवन रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मददगार हो सकता है।

एंटीऑक्सीडेंट्स का पावरहाउस है

डार्क चॉकलेट

एंटीऑक्सीडेंट्स का बेहतर स्त्रोत होने के कारण डार्क चॉकलेट को काफी लाभकारी माना जाता रहा है। फिटनेस के प्रति उत्साही लोगों के बीच ये काफी पसंदीदा भी रहे हैं। अध्ययनों में भी डार्क चॉकलेट के कई संभावित स्वास्थ्य लाभ के बारे में जिक्र मिलता है। शोध बताते हैं कि इसका सेवन हृदय स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। यह रक्तचाप को कम करने और हृदय में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने में भी सहायक है। डार्क चॉकलेट को ब्रेन फंक्शन के लिए भी अच्छा माना जाता है, अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि इसके सेवन से स्ट्रोक का खतरा कम होता है। इसके अलावा प्रभावी एंटीऑक्सीडेंट शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। स्ट्रेस को दूर करने के लिए भी डार्क चॉकलेट का सेवन करना बेहतर विकल्प हो सकता है। हालांकि इसका अधिक सेवन आपके लिए नुकसानदायक भी हो सकता है।

चॉकलेट के सेवन से स्ट्रोक का खतरा कम होता है

ये हैं दुष्प्रभाव

डार्क चॉकलेट वैसे तो शरीर के लिए विशेष लाभप्रद है पर इसका अधिक सेवन नुकसानदायक भी हो सकता है। डार्क चॉकलेट के दुष्प्रभाव इसमें मौजूद कैफीन से संबंधित हो सकते हैं। इसके अधिक सेवन के कारण नींद न आना, घबराहट, पेशाब अधिक होने, दिल की धड़कन में अनियमितता, त्वचा की एलर्जी, मतली और पेट की समस्याएं जैसे गैस और कब्ज हो सकती है। हमेशा कम मात्रा में ही इसका सेवन किया जाना चाहिए। डार्क चॉकलेट में ऑक्सलेट की अधिक मात्रा पाई जाती है। ये ऑक्सलेट शरीर में इकट्ठा होकर पथरी का कारण बन सकता है यदि आप पहले भी पथरी या स्टोन के शिकार हो चुके हैं तो आपको डार्क चॉकलेट खाने से परहेज बरतना चाहिए। यह पथरी के खतरे को बढ़ा सकता है।

ब्रेन फंक्शन में सुधार

डार्क चॉकलेट आपके मस्तिष्क के कार्यों में भी सुधार करता है। यही कारण है कि तनाव-स्ट्रेस जैसी समस्याओं को कम करने के लिए डार्क चॉकलेट के सेवन की डॉक्टर अक्सर सलाह दी जाती है। अध्ययनों से भी पता चलता है कि हाई फ्लेवनॉल कोकोआ वाली चीजों के सेवन से वयस्कों के मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह में सुधार हो सकता है। कोकोआ फ़्लेवोनॉइड को दीर्घकालिक रूप से अल्जाइमर जैसे रोगों के खतरे को कम करने वाला भी पाया गया है। इसलिए डार्क चॉकलेट खाने के लिए कहा जाता है।

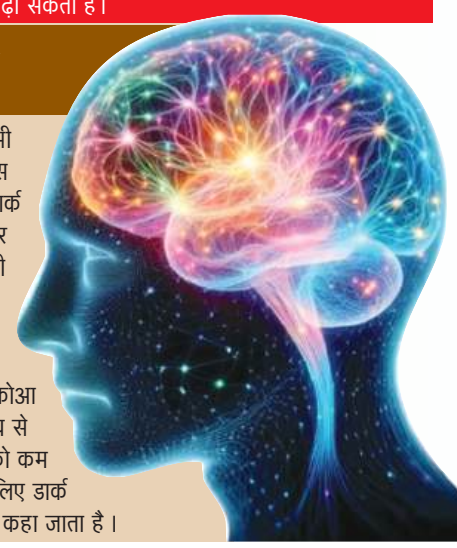

हंसना मना है

वाईफ- जानू हम ना.. मंडे .. शॉपिंग, ट्यूसडे .. होटल, वेडनेसडे .. आउटिंग, थर्सडे .. डिनर, फ्राइडे.. मूवी, सैटरडे .. पिकनिक जायेंगे। कितना मजा आएगा ना। हसबैंड- यस, और संडे मंदिर.. वाइफ- क्यों..? हसबंड-भीख मांगने।

वाईफ- अगर मैं माउंट एवरेस्ट पर चढूं तो आप मुझे क्या दोगे? हसबैंड- पगली, इसमें पूछने वाली क्या बात है। धक्का।

अमीर आदमी- आज मेरे पास 14 कार, 18 बाइक्स, 4 बंगले, 3 फार्महाउस है, तुम्हारे पास क्या है? गरीब आदमी- मेरे पास बेटा है, जिसकी गर्लफ्रेंड तेरी बेटी है।

दारू की वजह से बर्बाद शराबी ने कसम ली और घर से दारू की खाली बोतले फेंकने लगा, पहली बोतल फेंकते हुए बोला-तेरी वजहसे मेरी नोकरी गई दूसरी फेंकते हुए- तेरी वजह से मेरा घर बिका, तीसरी फेंकते हुए बोला- तेरी वजह से मेरी बीवी चली गई, चौथी भरी हुई निकली तो बोला तू साइड में हो जा पगली तू तो बेकसूर है।

एक बनिया अंतिम सांसे ले रहा था, और बोला मेरी बीबी कहां है? बीबी - यही हूं, बेटी कहां है? बेटी- यहीं हूं, बेटा कहां है? बेटा- यहीं हूं, बनिया- सब यहीं हो तो दूकान पर कौन है?

कहानी | जैसे को तैसा

सीतापुरी गांव में जीर्णधन नाम का एक बनिया रहता था। उसका काम कुछ अच्छा नहीं चल रहा था, इसलिए उसने धन कमाने के लिए विदेश जाने का फैसला किया। उसके पास सिर्फ एक लोहे का तराजू थी। उसने वो तराजू साहूकार को धरोहर के रूप में दे दिया और बदले में कुछ रुपये ले लिए। जीर्णधन ने साहूकार से कहा कि वह विदेश से लौटकर अपना उधार चुका कर तराजू वापस ले लेगा। जब दो साल बाद वह विदेश से लौटा, तो उसने साहूकार से अपना तराजू वापस मांगा। साहूकार बोला कि वो तराजू तो चूहों ने खा लिया। जीर्णधन समझ गया कि साहूकार की नियत खराब हो गई है और वह तराजू वापस करना नहीं चाहता। जीर्णधन ने साहूकार से कहा कि कोई बात नहीं अगर तराजू चूहों ने खा लिया है, तो इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है। सारी गलती उन चूहों की है। उसने साहूकार से कहा कि दोस्त मैं नदी में नहाने जा रहा हूं। तुम अपने बेटे धनदेव को भी मेरे साथ भेज दो। वो भी मेरे साथ नहा आएगा। साहूकार, जीर्णधन के व्यवहार से बहुत खुश था, इसलिए उसने जीर्णधन को सज्जन पुरुष जानकर अपने बेटे को उसके साथ नहाने के लिए नदी पर भेज दिया। जीर्णधन ने साहूकार के बेटे को नदी से कुछ दूर ले जाकर एक गुफा में बंद कर दिया। उसने गुफा के दरवाजे पर बड़ा-सा पत्थर रख दिया, जिससे साहूकार का बेटा बचकर भाग न पाए। साहूकार के बेटे को गुफा में बंद करके जीर्णधन वापस साहूकार के घर आ गया। उसे अकेला देखकर साहूकार ने पूछा कि मेरा बेटा कहां है। जीर्णधन बोला कि माफ करना दोस्त तुम्हारे बेटे को चील उठाकर ले गई है। साहूकार हैरान रह गया और बोला कि ये कैसे हो सकता है? चील इतने बड़े बच्चे को कैसे उठा ले जा सकती है? जीर्णधन बोला जैसे चूहे लोहे के तराजू को खा सकते हैं, वैसे ही चील भी बच्चे को उठाकर ले जा सकती है। अगर बच्चा चाहिए, तो तराजू लौटा दो। जब अपने ऊपर मुसीबत आई तब साहूकार को अक्ल आई। उसने जीर्णधन का तराजू वापस कर दिया और जीर्णधन ने साहूकार के बेटे को आजाद कर दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मिथुन

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क

कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी।

सिंह

कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या

धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें।

तुला

जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक

आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें।

धनु

भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मकर

आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दुःखद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

कुम्भ

पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। घर में तनाव रह सकता है।

मीन

आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

हालीवुड | मन की बात

मैं अपने काम को लेकर काफी महत्वाकांक्षी हूं : मृणाल ठाकुर

मृणाल ठाकुर अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'डकैत' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हो रही है। इस बीच मृणाल ठाकुर ने ये स्वीकार किया कि उनमें आत्मविश्वास की कमी है। साथ ही उन्होंने बताया कि वो कैसे सब्जेक्ट बेस सिनेमा और कमर्शियल फिल्मों के बीच संतुलन बनाकर रखती हैं? मृणाल ठाकुर ने माना कि उन्हें इतनी भूमिकाएं निभाने के बावजूद आत्मविश्वास की कमी महसूस होती है। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे कभी-कभी आत्मविश्वास की कमी महसूस होती है। मुझे नहीं पता क्यों। सच कहूं तो, मैं जानना भी नहीं चाहती। ईमानदारी से कहूं तो कभी-कभी लोग मुझसे कहते हैं कि तुम अपनी प्रतिभा या खुद को कम आंकती हो। लेकिन मुझे नहीं पता, यह एक ऐसी चीज है जिस पर मैं काम कर रही हूं। इससे मुझे घबराहट होती है। लेकिन आज भी इसे स्वीकार करने के लिए मुझे बहुत साहस की आवश्यकता पड़ी है। आज मैं यहां हूं, निडर होकर आप सबके सामने बैठी हूं, गलतियां करने से नहीं डरती। एक्ट्रेस ने माना कि वो अपने काम को लेकर काफी महत्वाकांक्षी हैं। उन्होंने कहा कि मैं आज बहुत खुश हूं। मैं बस आनंद लेना चाहती हूं, नई चीजें खोजना चाहती हूं और आज की पीढ़ी की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्रियों में से एक के रूप में पहचान बनाना चाहती हूं। यही मेरा सपना है। इसके अलावा मुझे कमर्शियल सफलता के मामले में इसे साबित करना होगा। मुझे बहुत सी चीजें साबित करनी हैं। मृणाल ने बॉक्स ऑफिस बनाम विषय-आधारित सिनेमा पर चल रही बहस पर भी बात की। कमर्शियल सक्सेस पर एक्ट्रेस ने कहा कि देखिए मैं जिस तरह की भूमिकाएं चुनती हूं, जैसे कि सिद्धार्थ चतुर्वेदी के साथ मेरी पिछली फिल्म, यह एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है।

मधुबाला की बायोपिक में मुख्य भूमिका निभाएंगी कल्याणी प्रियदर्शन

मधुबाला की बायोपिक को लेकर लगातार नई-नई चर्चाएं सामने आ रही हैं। फिल्म में मधुबाला की भूमिका कौन निभाएगा, इसको लेकर हर रोज नए नाम सामने आ रहे हैं। कियारा आडवाणी, अनीत पड्डा और सारा अर्जुन के बाद अब संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन हाउस में बनने वाली इस फिल्म में एक नई एक्ट्रेस के लीड रोल में नजर आने की चर्चाएं चल रही हैं। बॉलीवुड के बाद अब चर्चाएं साउथ की एक अभिनेत्री के मधुबाला के किरदार में नजर आने की हैं।

एक दिन पहले खबर आई थी कि 'धुरंधर 2' की अभिनेत्री सारा अर्जुन से फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया गया है। लेकिन अब जूम को एक विशेष सूत्र ने बताया कि इस भूमिका के लिए एक दक्षिण भारतीय अभिनेत्री से संपर्क किया गया है। वह अभिनेत्री कोई और नहीं बल्कि 'लोका चैप्टर 1' की एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन हैं।

इंडस्ट्री से जुड़े एक विश्वसनीय सूत्र ने जूम को बताया कि मधुबाला की भूमिका निभाने के लिए सारा अर्जुन को नहीं बल्कि कल्याणी प्रियदर्शन को संपर्क किया गया है। सूत्र ने आगे बताया कि भारतीय सिनेमा की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक को भव्य ट्रिब्यूट देने के उद्देश्य से बनाई जा रही इस फिल्म के निर्माता लोका की सफलता के बाद कल्याणी को लेने के लिए बेहद उत्सुक हैं।

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री मधुबाला की बायोपिक का निर्देशन जसमीत के रीन करेंगे। उन्होंने इससे पहले आलिया भट्ट, शेफाली शाह और विजय वर्मा की फिल्म डार्लिंग्स का निर्देशन किया था। सूत्र के मुताबिक, कल्याणी प्रियदर्शन की बढ़ती लोकप्रियता, उनकी मासूमियत और पर्दे पर दिखने वाला आकर्षण उन्हें इस प्रोजेक्ट के लिए उपयुक्त बनाता है।

कल्याणी दिग्गज फिल्ममेकर प्रियदर्शन की बेटी हैं। उन्होंने 2017 में अखिल अक्कीनेनी के साथ फिल्म हेलो से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने 'चित्रलहरी', 'रणरंगम', 'वरणे अवश्यामुंड', 'मानाडू', 'थल्लुमाला', 'वर्षंगलक्कू शेषम' जैसी कई फिल्मों में काम किया है। हालांकि, कल्याणी को व्यापक सफलता पिछले साल आई फिल्म 'लोका: चैप्टर 1' से मिली। बॉक्स ऑफिस पर सफल रही इस फिल्म ने उन्हें साउथ के अलावा नॉर्थ में भी लोकप्रिय बना दिया। कल्याणी प्रियदर्शन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो भुवनेश अर्जुनन द्वारा निर्देशित, जीनी में नजर आएंगी। इस फिल्म में रवि मोहन, वामिका गब्बी और कीर्ति शेट्टी भी हैं। इसके अलावा कल्याणी के रणवीर सिंह की आगामी फिल्म 'प्रलय' में भी नजर आने की चर्चाएं हैं। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

आर्मी के बाद एंटरटेनमेंट की दुनिया में आईं खुशबू पाटनी

बॉलीवुड | मसाला

दिशा पाटनी की बहन खुशबू पाटनी आर्मी में मेजर के पद से रिटायर हुईं। वह सोशल मीडिया पर सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग युवा लड़कियों को देती हैं। साथ ही सोशल वर्कर भी करती रहती हैं। अब एक रियलिटी शो 'ट्राइबवर्स' को होस्ट करेंगी। इस शो का पहला प्रोमो खूशबू ने अपने सोशल मीडिया पेज पर शेयर किया है। इसमें इंफ्लुएंसर अभिषेक मल्हान भी उनके साथ रियलिटी शो को होस्ट करेंगे।

खूशबू पाटनी ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर 'ट्राइबवर्स' रियलिटी शो का प्रोमो शेयर किया है। इसका कॉन्सेप्ट काफी अलग दिख रहा है। शो में नागालैंड की मशहूर कोनयाक ट्राइब के साथ कुछ इंफ्लुएंसर को रहना होगा। ट्राइब के साथ ही खाना-पीना, रहना और जीना होगा। यह शो उन इंफ्लुएंसर्स के लिए काफी मुश्किल होने वाला है।

'ट्राइबवर्स' रियलिटी शो जीयोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा। यह शो 17 अप्रैल से दर्शकों को देखने को मिलेगा। इस शो में खूशबू पाटनी और अभिषेक मल्हान, कंटेस्टेंट्स को उनके कंफर्ट जोन से बाहर निकालेंगे और एक नए कल्चर का एक्सपीरियंस करवाएंगे।

अजब-गजब | आस्ट्रेलिया का यह शहर बिकने को पूरी तरह है तैयार

1 BHK की कीमत में मिल रहा है शहर, आप भी बन सकते हैं मालिक, जनसंख्या- मात्र 2

जरा सोचिये कि आप एक पूरा शहर खरीद लें। उसमें अपना होटल, पोस्ट ऑफिस, घर और यहां तक कि अपना पोस्टकोड भी शामिल हो। यह कोई सपना नहीं, बल्कि ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में वाकई हो रहा है।

कूलाड्डी नाम का यह छोटा सा आउटबैक टाउन पूरी तरह बिकने के लिए तैयार है। इस टाउन की जनसंख्या सिर्फ दो है। कैरोल यारो और जो कॉर्नेल, ये दोनों महिलाएं तीन साल से यहां फॉक्सट्रैप रोडहाउस चला रही थीं और अब बिजनेस बेचकर आगे बढ़ना चाहती है। टाउन की कुल कीमत सिर्फ 4 लाख ऑस्ट्रेलियन डॉलर (लगभग 2.2 करोड़ रुपये) रखी गई है। यह कीमत सिडनी या ब्रिस्बेन जैसे बड़े शहरों में एक 1BHK फ्लैट से भी कम है। खरीदार को मिलेगा चार बेडरूम वाला घर, रोडहाउस (जिसमें पब, मोटल और रेस्टोरेंट जैसी सुविधाएं हैं), पोस्ट ऑफिस और पूरा टाउन। नए मालिक को पोस्टमैन, पब्लिकन, कुक और शॉपकीपर की जिम्मेदारी भी संभालनी होगी। कूलाड्डी ब्रिस्बेन से करीब 800 किमी पश्चिम में चार्लेविल और क्विल्पी के बीच स्थित है। यह जगह इतनी रिमोट है कि यहां पहुंचने में 9 घंटे की ड्राइव लगती है। फिर भी इसका अपना

पोस्टकोड 4479 है, जिसकी वजह से इसे आधिकारिक तौर पर एक टाउन माना जाता है। इस टाउन को खरीदने पर खरीददार को फॉक्सट्रैप रोडहाउस (पब, मोटल और रेस्टोरेंट), चार बेडरूम वाला घर, पोस्ट ऑफिस और संबंधित सुविधाएं मिलेगी। साथ ही टाउन की पूरी जमीन और संपत्ति भी उसकी हो जाएगी। अभी के मालिकों का कहना है कि पिछले तीन सालों में उन्होंने यहां काफी मेहनत की, लेकिन अब आगे बढ़ने का समय आ गया है। कैरोल और जो दोनों इस अनोखे अनुभव को किसी नए व्यक्ति को सौंपना चाहती हैं। यह डील उन लोगों के लिए आकर्षक हो सकती है जो शांत, रिमोट जीवन जीना चाहते हैं या आउटबैक में बिजनेस शुरू करना चाहते हैं। यहां ट्रैवलर्स, ट्रक ड्राइवर्स और लोकल लोग रुकते हैं। रोडहाउस से अच्छी आमदनी का जरिया बन सकता है। हालांकि इसमें चुनौतियां भी कम नहीं है। बिजली, पानी और इंटरनेट जैसी सुविधाएं सीमित हैं और सबसे नजदीकी बड़ा शहर दूर है।

ऑस्ट्रेलिया के बड़े शहरों में प्रॉपर्टी की कीमतें आसमान छू रही हैं। सिडनी में एक छोटे अपार्टमेंट की कीमत 9 लाख डॉलर से ऊपर है, जबकि ब्रिस्बेन में भी औसत यूनिट की कीमत 8-9 लाख डॉलर के आसपास है। इसके मुकाबले कूलाड्डी का पूरा टाउन सिर्फ 4 लाख डॉलर में मिल रहा है। यह कीमत आउटबैक की रिमोट लोकेशन और कम जनसंख्या की वजह से है। सोशल मीडिया पर यह खबर तेजी से वायरल हो रही है। कई लोग इसे खरीदने में इंट्रेस्ट दिखा रहे हैं।

7000 कमरों वाला दुनिया का सबसे बड़ा होटल देखकर कहेंगे- बसा दिया पूरा का पूरा शहर

दुनिया में कई बड़े होटल हैं जो अपनी लग्जरी और भव्यता के लिए जाने जाते हैं। मगर जब कमरों की संख्या की बात आती है, तो First World Hotel & Plaza की तुलना नहीं किसी से नहीं की जा सकती है। हालांकि इसका डिजाइन बहुत खास नहीं है और इसे सिर्फ तीन स्टार सुविधाओं वाला होटल माना जाता है, लेकिन जब बात ठहरने की आती है तो यह होटल दुनिया में सबसे आगे माना जाता है। इस होटल का उद्घाटन 2006 में हुआ था। जब इसमें केवल 6,118 कमरे थे, लेकिन दो साल बाद, लास वेगास का The Venetian Resort बन गया और उसने इसे 7,128 कमरों के साथ इसे पीछे छोड़ दिया था। हालांकि, 2015 में First World Hotel & Plaza ने दूसरे टावर का निर्माण किया जिसके बाद, फर्स्ट वर्ल्ड होटल ने फिर से सबसे बड़े होटल का खिताब अपने नाम कर लिया। जिसे यह आज तक बनाए हुए है। Genting Group द्वारा निर्मित यह होटल Pahang क्षेत्र में स्थित है। जो मलेशिया की राजधानी Kuala Lumpur से लगभग 50 किलोमीटर दूर है। यह Genting Highlands में मौजूद है। जो दक्षिण-पूर्व एशिया का एक प्रमुख एंटरटेनमेंट हब है और हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करता है। यह होटल लगभग हमेशा भरा ही रहता है। कोरोना महामारी से पहले इसकी औसत ऑक्यूपेंसी करीब 90प्रतिशत थी और आज भी ज्यादातर समय सभी कमरे बुक रहते हैं। इस होटल की सफलता के पीछे कई वजह हैं। यह Resorts World Genting के केंद्र में स्थित है जो थीम पार्क, फूड कोर्ट, और शॉपिंग सेंटर से सीधा जुड़ा हुआ है। साथ ही साथ यह मलेशिया के इकलौते कानूनी कैसीनो क्षेत्र के पास है। जो इसे और भी ज्यादा खास बना देता है। फर्स्ट वर्ल्ड होटल की एक और खासियत इसकी किफायती कीमतें और चेक-इन सिस्टम है। यह बड़ी संख्या में मेहमानों को आसानी से संभालता है। बता दें, यह सिर्फ अमीरों के लिए नहीं है बल्कि आम लोगों के लिए भी काफी अच्छा है। बात करें होटल के कमरों की तो होटल में 3,164 स्टैंडर्ड रूम, 2,922 लग्जरी रूम, 649 लग्जरी ट्रिपल रूम, 480 सुपीरियर लग्जरी रूम और 136 वर्ल्ड क्लब रूम हैं। यह होटल अपने आकार से ज्यादा अपनी स्मार्ट योजना और सुविधाओं के चलते भी दुनिया भर में एक अनोखी पहचान बना चुका है।

असम में सबसे बड़ा घुसपैठिया गुजरात से आया : कन्हैया कुमार

» कांग्रेस नेता ने हिमंता बिस्वा सरमा पर भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी का आरोप लगाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी का आरोप लगाया है और साथ ही राज्य में भाजपा सरकार पर भी हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता ने मतदाताओं से गुजरात से घुसपैठियों को राज्य से बाहर निकालने का आह्वान किया। कन्हैया ने बोंगाईगांव में एक रैली में कहा था कि जब मैं यहां आया, तो एक पत्रकार ने मुझे बताया कि यहां का मुद्दा घुसपैठ का है। मैंने कहा कि सबसे बड़ा घुसपैठिया गुजरात से आया है और उसे हिमंता बिस्वा सरमा के साथ बाहर निकाल दिया जाएगा।

हालांकि यह भाषण इस सप्ताह की शुरुआत में दिया गया था, लेकिन इसका वीडियो हाल ही में वायरल हुआ है। कांग्रेस नेता ने शाह की ओर इशारा करते हुए दावा किया कि सभी चोर और भ्रष्टाचार में लिप्त लोग भाजपा में शामिल हो गए हैं, और गृह मंत्री को चोरों का सरदार बताया। उन्होंने दावा किया कि अगर 4 मई को विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने पर हिमंता मुख्यमंत्री बनते हैं, तो असम का भी वही हाल होगा जो मणिपुर का हुआ है। कन्हैया की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता तारिक अनवर ने कहा कि मैंने उनकी बात नहीं सुनी, लेकिन अगर उन्होंने ऐसा कहा है, तो जाहिर है इसके पीछे कोई कारण होगा। मुझे लगता है कि यह गलत नहीं है।

पवन खेड़ा पर कानूनी कार्यवाही चुड़ैल-शिकार की तरह : वेणुगोपाल

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने पार्टी नेता पवन खेड़ा के खिलाफ लगे आरोपों और कानूनी कार्यवाही को चुड़ैल-शिकार करार दिया और इसका कारण असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा द्वारा चुनाव से पहले बार-बार किए गए निराधार दावों को बताया। वेणुगोपाल ने कहा कि सरमा ने गौरव गोगोई और उनकी पत्नी पर बार-बार झूठे आरोप लगाए हैं। वे चुनाव से पहले निराधार कहानियां फैलाते हैं। वे कभी सबूत पेश नहीं करते। अब वे पवन खेड़ा पर आरोप लगा रहे हैं। यह बदले की भावना से की गई कार्रवाई के अलावा कुछ नहीं है। हम इसका सामना करेंगे। इससे पहले तेलंगाना उच्च न्यायालय ने असम के मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुयान सरमा द्वारा दायर एक मामले में पवन खेड़ा को एक सप्ताह की अंतिम जमानत दे दी। यह मामला पासपोर्ट और संपत्ति के खुलासे से संबंधित आरोपों से जुड़ा है। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कानूनी प्रकोष्ठ के पोलम अशोक गौड़ ने कहा कि न्यायालय ने खेड़ा को संबंधित अदालत में पेश होने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। खेड़ा ने रिनिकी पर भारत, यूईई और मिस्र के तीन पासपोर्ट रखने, दुबई में अज्ञात आलीशान संपत्तियों का मालिक होने और अमेरिका के ओमिंग में एक कंपनी का मालिक होने का आरोप लगाया था।

महिला आरक्षण पर विपक्ष को एकजुट करेंगे खरगे

» कांग्रेस की बैठक में लिया गया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीडब्ल्यूसी की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पार्टी महिला आरक्षण के मुद्दे पर विपक्षी पार्टियों के साथ मिलकर आगे बढ़ेगी। खरगे ने कहा कि प्रस्तावित संशोधनों का हमारी चुनावी व्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है, इसलिए एक सामूहिक रणनीति बनाने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि जब 23 में बिल पास हुआ था, तब कांग्रेस ने महिला आरक्षण को तुरंत लागू करने की मांग की थी, लेकिन सरकार इसे परिसीमन और जनगणना के बाद लागू करना चाहती थी। सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद खड़गे ने कहा, महिलाओं और हाशिए पर पड़े वर्गों के कल्याण जैसे मुद्दों पर हमें किसी से भी मंजूरी लेने की ज़रूरत नहीं है।

महिला आरक्षण विधेयक से जुड़े घटनाक्रम पर चर्चा के लिए कांग्रेस सीडब्ल्यूसी ने बैठक की। बैठक में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे, रेवंत रेड्डी, सुखविंदर सिंह सुखो जैसे कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में उपस्थित अन्य लोगों में जीतेंद्र सिंह, चरणजीत सिंह चन्नी, सलमान खुर्शीद, दीपादास मुंसी, आनंद शर्मा, सारिक अनवर, सचिन पायलट, अंबिका सोनी, नासिर हुसैन और भूपेश बघेल शामिल थे। कांग्रेस पार्टी ने संसद के तीन दिन के विशेष सत्र से पहले, जो 16 अप्रैल से शुरू होने वाला है, महिला आरक्षण बिल पर एक बैठक बुलाई है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब संसद 16 अप्रैल से तीन दिन के विशेष सत्र के लिए मिलने वाली है, जिसका मुख्य फोकस महिला आरक्षण संशोधन बिल पर होगा। सरकार ने दो बड़े संशोधनों की योजना बनाई है।

खराब शुरुआत से उबरना चाहेगी चेन्नई

» सीएसके के लिए ओपनिंग जोड़ी सबसे बड़ी चिंता, दिल्ली से मैच आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। आईपीएल 2026 में सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाला मुकाबला दोनों टीमों के लिए काफी अहम है। जहां चेन्नई अपनी खराब शुरुआत से उबरने की कोशिश में है, वहीं दिल्ली भी पिछले मैच की गलतियों से सबक लेकर वापसी करना चाहेगी। चेन्नई की सबसे बड़ी चिंता उनकी ओपनिंग जोड़ी रही है। संजू सैमसन और ऋतुराज गायकवाड़ अब तक उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। दोनों के बीच साझेदारियां 14, 14 और नौ रन की रही हैं, जो टीम के लिए परेशानी का कारण बनी हैं। अगर यह जोड़ी चलती है, तो चेन्नई का पूरा बल्लेबाजी क्रम मजबूत हो सकता है।

इससे शिवम दुबे को स्पिन के खिलाफ खुलकर खेलने का मौका मिलेगा और डेवाल्ड ब्रेविस के लिए भी मंच तैयार होगा, जो इस मैच में वापसी कर सकते हैं। दिल्ली कैपिटल्स भी दबाव में है। पिछले मैच में डेविड मिलर का आखिरी ओवर में लिया गया फैसला टीम पर भारी पड़ा। उन्होंने जोखिम लेते हुए बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे और टीम को हार का सामना करना पड़ा। अब दिल्ली को अपने फैसलों में संतुलन लाना होगा, क्योंकि इस टूर्नामेंट में गलतियों की गुंजाइश बहुत कम है।(चेन्नई के लिए सरफराज खान शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने तीन पारियों में 99 रन 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं और मिडिल ऑर्डर में टीम को मजबूती दी है। वहीं, दिल्ली के लिए अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की स्पिन जोड़ी अहम होगी। ये दोनों गेंदबाज बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं देते और टी20 क्रिकेट में यह बहुत बड़ी ताकत बन चुकी है।

आरसीबी की पहली हार, राजस्थान ने छह विकेट से दी मात

गुवाहाटी। ध्रुव जुरेल (81*) और वैभव सूर्यवंशी (78) की तूफानी अर्धशतकीय पारियों की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी को छह विकेट से हरा दिया। गुवाहाटी में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने कप्तान रजत पाटीदार की 63 रनों की पारी की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 201 रन बनाए। जवाब में राजस्थान ने महज 18 ओवर में चार विकेट पर 202 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। आरसीबी की यह इस सीजन की पहली हार है। इससे पहले खेले दोनों मुकाबले टीम ने जीते थे। वहीं, राजस्थान ने लगातार चार मैचों में शानदार जीत दर्ज की है। फिलहाल टीम अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। आरसीबी फिलहाल चार अंक लेकर तीसरे पायदान पर है। बता दें कि, राजस्थान ने पांचवीं बार आईपीएल में 200 से ज्यादा रनों के लक्ष्य को हासिल किया। इस मामले में शीर्ष पर पंजाब किंग्स है, जिसने नौ बार यह कारनामा किया है। वहीं, दूसरे स्थान पर छह बार ऐसा करने वाली मुंबई इंडियंस है। वहीं, आरसीबी की आईपीएल में यह 200+ के स्कोर का बचाव करते हुए सातवीं हार है।

राजेश्वर ने किया 'नेट जीरो इंडस्ट्री मिशन' का अनावरण

» विधायक ने कहा- सरोजिनी नगर 'नेट जीरो इंडस्ट्री' के साथ औद्योगिक हरित क्रांति का नेतृत्व करेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह सरोजिनी नगर ने आज अपने नेट जीरो सरोजिनी नगर 2047 विजन की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाते हुए द ग्रीन शिफ्ट के अंतर्गत 'नेट ज़ीरो इंडस्ट्री' पहल का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना की उपस्थिति में आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि उपचार से बेहतर रोकथाम होती है, और पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक सक्रिय (प्रोएक्टिव) दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

समस्याओं के उत्पन्न होने की प्रतीक्षा करने के बजाय, हमें संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और सामूहिक प्रतिबद्धता के साथ पर्यावरणीय चुनौतियों का पूर्वानुमान लगाकर उनका समाधान करना चाहिए। खन्ना ने लखनऊ के उद्योग जगत को एक साझा मंच पर लाकर संवाद और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देने की पहल को प्रशंसनीय बताया, जो हरित और सतत भविष्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में यह पहल एक समग्र, समयबद्ध नेट ज़ीरो रोडमैप का चौथा और सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है। यह रोडमैप पांच स्तंभों पर आधारित है-1.नेट ज़ीरो स्कूल एवं कॉलेज,2.नेट ज़ीरो सोसायटी एवं आरडब्ल्यूए,3. नेट ज़ीरो टाउनशिप,4.नेट ज़ीरो इंडस्ट्री (आज शुभारंभ),5.नेट ज़ीरो गांव एवं सरोवर। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि नेट ज़ीरो अब कोई दूर का लक्ष्य नहीं है—यह मापने योग्य, प्राप्त करने योग्य और लाभकारी मॉडल है। सरोजिनी नगर ने पहला कदम उठा लिया है और यह पहल हमारे उद्योग सतत विकास के नेता बनें।

ममता बनर्जी के भाजपा और आरएसएस के साथ अच्छे संबंध : हुमायूं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। आम जनता उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर ने एक कथित स्टिंग वीडियो को लेकर पश्चिम बंगाल में मचे हंगामे के बाद साज़िश का आरोप लगाया। यह वीडियो टीएमसी ने पोस्ट किया था। उन्होंने दावा किया कि बंगाल की मुख्यमंत्री के भारतीय जनता पार्टी-भाजपा और आरएसएस के साथ अच्छे संबंध हैं।

साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि 19 दिसंबर के उनके वीडियो को ऐसे समय में वायरल करने के पीछे साज़िश है, जब विधानसभा चुनाव नज़दीक हैं। कबीर ने कहा कि 19 दिसंबर का एक वीडियो 8 अप्रैल को वायरल किया जा रहा है। इन सभी दिनों मे ममता बनर्जी क्या कर रही थीं? यह एक साज़िश है।

मल में खून कोलोरेक्टल कैंसर की चेतावनी, जागरूकता जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत में तेज़ जीवनशैली, अस्वास्थ्यकर खान-पान और बैठकर काम करने की आदतों के कारण पाचन संबंधी समस्याएं तेजी सेबढ़ रही हैं। पाचन संबंधी समस्याओं की बढ़ती व्यापकता के बावजूद, कोलोरेक्टल कैंसर जैसे गंभीर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोगों के बारे में जागरूकता अभी भी कम है।

एक स्वास्थ्य सर्वेक्षण में लखनऊ में चिंताजनक रुझान सामने आए, जहां लगभग 9० प्रतिशत लोग गैस्ट्रिक समस्याओं के लिए स्वयं-उपचार पर निर्भर हैं, 85.6 प्रतिशत लोग मल त्याग की आदतों में बदलाव होने पर ओवर-द-काउंटर दवाओं या जीवनशैली में बदलाव का सहारा लेते हैं, और 61.2प्रतिशत लोगों ने अनियमित

» स्वास्थ्य सर्वेक्षण में लखनऊ में आए चिंताजनक आंकड़े

मल त्याग का अनुभव होने की बात कही, जो शहर में गंभीर पाचन स्वास्थ्य जोखिमों को दर्शाता है। लोग अनियमित मल त्याग, एसिडिटी और मल में खून जैसे लक्षणों पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं, साथ ही जागरूकता की कमी और व्यवहारिक पैटर्न की पहचान की गई, जो समय पर चिकित्सा परामर्श और निदान में देरी का कारण बन सकतेहैं। इन निष्कर्षों को डॉ. अभिषेक पाठक, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, और डॉ. सौरभ मिश्रा शामिल थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने नेता प्रतिपक्ष राहुल से की लंबी बातचीत

» महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती मिले दोनों नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 5 राज्यों में चुनावी घमासान को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। ऐसे में शनिवार सुबह-सुबह भारतीय राजनीति की बेहद खास तस्वीर सामने आई, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अचानक ही आमने-सामने आ गए।

इस दौरान राहुल गांधी ने हाथ जोड़कर प्रधानमंत्री का अभिवादन किया।

पीएम मोदी ने भी हाथ जोड़कर उनके अभिवादन को स्वीकार किया। यही नहीं दोनों ही नेताओं के बीच फिर काफी देर तक बातचीत होती रही।

हाथ जोड़कर स्वागत, फिर काफी देर तक बातचीत

आप सोच रहे होंगे कि आखिर ऐसा क्या हुआ जो पीएम मोदी और राहुल गांधी की ये मुलाकात हुई तो चलिए हम बताते हैं। आज महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती है। इस मौके पर संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर खास आयोजन रखा गया। इसी मौके पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसद और लोकसभा स्पीकर समेत सियासी दिग्गज पहुंचे थे। इसी समारोह में शामिल होने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की मुलाकात हुई।

पीएम मोदी व अन्य नेताओं ने दी पुष्पांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार सुबह महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पहुंचे। इस मौके पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राज्यसभा के पूर्व उपसभापति हरिवंश और अन्य सियासी दिग्गज भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

ईरान-यूएस सीजफायर के बीच इजरायल ने तोड़ी शर्त

साउथ लेबनान की रिहायशी इमारत पर हमला, तीन लोगों की मौत

» ईरान से बातचीत के लिए अमेरिका का दल इस्लामाबाद पहुंचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ईरान-यूएस सीजफायर के बीच भी लेबनान में इजरायल के हमले जारी हैं। शनिवार को इजरायल ने साउथ लेबनान की एक रिहायशी इमारत पर हमला किया है। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई है। यह हमला साउथ लेबनान के नबातीह के मेफादौन कस्बे की एक रिहायशी इमारत पर किया गया है। उधर पाकिस्तान में ईरान से बातचीत के लिए अमेरिका का दल इस्लामाबाद पहुंच गया है इस दौरान स्थायी सीजफायर को लेकर बातचीत हो सकती है।

अमेरिका और ईरान की बातचीत में लेबनान भी बड़ा मुद्दा है। ईरान का दावा है कि दो हफ्तों का जो सीजफायर हुआ था, उसमें लेबनान भी शामिल था हालांकि, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि दो हफ्तों के सीजफायर में लेबनान शामिल नहीं था। लेबनान पर इजरायली हमलों के कारण ईरान ने इस्लामाबाद में होने वाली शांति वार्ता में भी शामिल होने से इनकार कर दिया था। हालांकि, शुक्रवार शाम को इजरायल ने लेबनान के साथ बातचीत की बात कही, जिसके बाद ईरान भी माना। इजरायल और लेबनान के बीच 14 अप्रैल को बातचीत होने की उम्मीद है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने बताया कि इजरायल के साथ सीधी बातचीत 14 अप्रैल से शुरू होगी। इससे पहले लेबनान और इजरायल के अमेरिका में मौजूद राजदूतों ने लेबनान में अमेरिका के राजदूत के साथ फोन पर बातचीत की थी। इस बातचीत का मकसद उन शर्तों पर चर्चा करना था, जिसके तहत अगले मंगलवार को वॉशिंगटन में बातचीत होनी है इस बातचीत में अमेरिका मध्यस्थ की भूमिका निभाएगा।

लेबनान व इजरायल सीधी बात को तैयार

लेबनान भी इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच चल रही जंग को खत्म करने के लिए सीधी बातचीत करना चाहता है। लेकिन वह ऐसी बातचीत चाहता है जो किसी सीजफायर के तहत हो, ठीक वैसी है, जैसी अमेरिका और ईरान में बातचीत हो रही है। इजरायल ने भी गुरुवार को बताया कि लेबनान के अनुरोध के बाद वह सीधी बातचीत के लिए तैयार है।

इजरायली हमलों में 40 दिन में 1900 मौतें

इजरायल का दावा है कि ईरान के साथ हुए सीजफायर में हिज्बुल्लाह और लेबनान शामिल नहीं है। जिस दिन अमेरिका-ईरान में सीजफायर हुआ था, उसी दिन इजरायल ने लेबनान पर जोरदार हमला किया था। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इन हमलों में 300 से ज्यादा लोग मारे गए थे। 28 फरवरी से शुरू हुई जंग में यह देश का सबसे घातक दिन था।

ट्रंप ने नेतन्याहू से हमलों को कम करने को कहा था

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इजरायली पीएम नेतन्याहू से हमलों को कम करने के लिए कहा था। शुक्रवार को लेबनान के राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने नबातीह में एक सरकारी सुरक्षा कार्यालय के पास हमला किया, जिसमें 13 अधिकारी मारे गए.

भारत की कूटनीति पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

» पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान वार्ता पर मोदी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच आज शुरू हो रही अमेरिका-ईरान वार्ता पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हैं। एक ओर इससे शांति की उम्मीदें जागी हैं, तो दूसरी ओर इस कूटनीतिक हलचल ने भारत की विदेश नीति, पाकिस्तान की बढ़ती भूमिका और वैश्विक समीकरणों में बदलते संतुलन को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अमेरिका-ईरान की बैठक आज इस्लामाबाद में शुरू हो रही है। भारत सहित पूरी दुनिया यह उम्मीद कर रही है कि यह दोनों देशों के बीच एक स्थायी शांति प्रक्रिया की शुरुआत होगी, बस जिसे अपने पड़ोस में इजरायल की जारी आक्रामकता पटरी से न उतार दे।

लेकिन स्वयंभू विश्वगुरु की झप्पी कूटनीति के सार और शैली-दोनों-को लेकर गंभीर सवाल उठते हैं- प्रैल 025 के कायरतापूर्ण पहलगाम आतंकी हमले में अपनी भूमिका और उसके बाद भारत द्वारा उसे अलग-थलग करने के लिए चलाए गए कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद पाकिस्तान ने अपने लिए यह नई भूमिका कैसे बना ली? यह विफलता इसलिए और भी गंभीर है क्योंकि डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार ने नवंबर 8 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद पाकिस्तान को असरदार रूप से अलग-थलग कर दिया था।नमस्ते ट्रंप, हाउडी मोदी और फिर एक बार ट्रंप सरकार जैसे कैंपेन के बावजूद भारत ने अमेरिका को पाकिस्तान को यह नई भूमिका देने की इजाज़त कैसे दी? भारत ने एक स्पष्ट रूप से एकतरफा व्यापार समझौते पर भी सहमति दी, जिसमें उसने जितना पाया, उससे कहीं अधिक दिया-फिर भी मोदी सरकार अमेरिका के साथ कोई ठोस लाभ हासिल करने में विफल रही।

पिछले अठारह महीनों में चीन के प्रति भारत की संतुलित आत्मसमर्पण की नीति से देश को क्या हासिल हुआ-खासकर तब, जब ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान की भूमिका में चीन की केंद्रीय भूमिका रही है और वह लगातार पाकिस्तान को समर्थन देता रहा है? पश्चिम एशिया में शांति जल्द से जल्द बहाल होनी चाहिए। होरमुज स्ट्रेट को भी उसी स्थिति में लौटना चाहिए, जो 28 फरवरी को अमेरिका-इज़रायल द्वारा ईरान पर हमले शुरू होने से पहले थी-यानी ठीक दो दिन बाद, जब पीएम मोदी ने इज़रायल की एक बेहद अविवेकपूर्ण और गलत समय पर की गई यात्रा पूरी की थी।

पीएम मोदी ने बंगाल में लाखों वोटों की कटौती करवाई: अरविंद केजरीवाल

» आप संयोजक बोले- सभी संस्थाओं पर कब्जा कर रही बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर संस्थागत अधिग्रहण और लाखों वोटों की कटौती का आरोप लगाया।

एक्स पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि सभी संस्थाओं पर कब्ज़ा करने और लाखों वोटों की कटौती करवाने के बाद भी, अगर मोदी पश्चिम बंगाल चुनाव हार जाते हैं तो क्या होगा? पश्चिम बंगाल विधानसभा के 294 सदस्यों के लिए चुनाव दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होने हैं, और मतगणना 4 मई को होगी। राज्य का राजनीतिक माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है, जिसमें सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भाजपा के बीच, विशेष रूप से मतदाता सूची संशोधन और चुनाव तैयारियों को लेकर, तीखी नोकझोंक देखने को मिली है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने हाल ही में चुनाव आयोग और भाजपा पर बड़े पैमाने पर मतदाता सूचियों से नाम हटाने का आरोप लगाया।

मथुरा नाव हादसा: फिर यमुना में उतरे गोताखोर

» सात श्रद्धालु अब भी लापता, शनिवार को एक और शव हुआ बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। यमुना में शुक्रवार को पैंटून पुल के पीपे से टकराकर पलटी मोटरबोट में सवार सात श्रद्धालुओं का अभी तक पता नहीं चल पाया है। रात एक बजे तक बचाव कार्य करने के बाद सुबह साढ़े पांच बजे से फिर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के गोताखोर 20 मोटरबोट के साथ यमुना में उतर गए।

करीब दस किलो मीटर के दायरे में

लापता लोगों की खोज की जा रही है, लेकिन अब तक कोई पता नहीं चल सका है। प्रशासन की सूची में अभी चार से पांच लोग लापता हैं, लेकिन ऐसे लापता श्रद्धालु भी पहुंचे हैं, जिनके परिवार के सदस्य नाव में सवार थे और गायब हैं। ऐसे में अब लापता श्रद्धालुओं की संख्या सात मानी जा रही है। अभियान के दौरान यमुना में शुक्रवार को डूबे पंजाब के श्रद्धालुओं में एक और माणिक टंडन का शव शनिवार सुबह मिल गया है। अब तक 11 शव बरामद किए गए हैं।शुक्रवार को दोपहर पंजाब के लुधियाना के श्रद्धालुओं का जत्था वृंदावन के केशीघाट से यमुना के पार देवराहा बाबा की समाधि स्थल पर दर्शन के लिए जा रहा था। यमुना पर खोले गए पैंटून पुल को जोड़ने के दौरान तेज बहाव में पुल का पीपा मोटरबोट से टकरा गया और बोट पलट गई। उसमें सवार 37 से अधिक श्रद्धालु यमुना में डूब गए। आसपास मौजूद गोताखोरों में 22 लोगों को बचा लिया।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा